

प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 10 अक्टूबर, 2026 :-

- (1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र केवल ज्ञान और कौशल तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानवीय संवेदना, नैतिकता और सेवा-भाव की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। चिकित्सक का दायित्व केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि मरीज के मन में विश्वास और आशा जगाना भी है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से अपने पेशेवर जीवन में करुणा, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को सदैव प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने उपाधिधारकों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत, लगन और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भारत की चिकित्सा परंपरा समृद्ध रही है। महर्षि सुश्रुत का योगदान भारत की

प्राचीन चिकित्सा परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत आज अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि भारत औषधि निर्माण, टीका उत्पादन, चिकित्सा अनुसंधान और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना होना चाहिए। इस दिशा में चिकित्सा संस्थानों और युवा चिकित्सकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने एम्स देवघर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसकी स्थापना झारखण्ड और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे झारखण्ड के साथ-साथ बिहार और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि एम्स देवघर उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा एवं उपचार के साथ अनुसंधान और जनसेवा का भी प्रमुख केंद्र बने तथा यहाँ विकसित ज्ञान स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में उपयोगी सिद्ध हो।

राज्यपाल महोदय ने आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), रोबोटिक

सर्जरी और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएँ उपचार की संभावनाओं को व्यापक बना रही हैं। इनका लाभ तभी पूरी तरह मिल सकेगा, जब तकनीकी दक्षता के साथ चिकित्सकों में विवेक, संवेदनशीलता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति भी हो। तकनीक उपचार को अधिक सटीक और प्रभावी बना सकती है, लेकिन मरीज के प्रति मानवीय संवेदना का स्थान नहीं ले सकती।

माननीय राज्यपाल ने झारखण्ड के जनजातीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने युवा चिकित्सकों से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशील रहने का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी विशेषज्ञता और सेवाभाव जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

राज्यपाल महोदय ने उपाधिधारकों से अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग जनसेवा और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान की वास्तविक सार्थकता मानव जीवन को बेहतर बनाने, पीड़ा कम करने और समाज में आशा जगाने में है।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट हॉस्पिटल (पी. डी. हिंदुजा अस्पताल), देवघर में आयोजित “सैन्य संपर्क मेला” को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान एवं कल्याण पूरे समाज की जिम्मेदारी है। हमारे सैनिक देश की सीमाओं पर तैनात रहकर भारत की संप्रभुता, सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा करते हैं। उनके प्रति सम्मान केवल भावना नहीं, बल्कि हमारा राष्ट्रीय दायित्व है।

राज्यपाल महोदय ने बाबा बैद्यनाथ की पावन धरती पर माननीय उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में उनका इस राज्य से विशेष आत्मीय जुड़ाव रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री ‘भारत रत्न’ श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों-“भारत जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है”, का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा में सैनिकों का साहस, अनुशासन और त्याग अतुलनीय है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ का उल्लेख करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने इस अभियान के

दौरान साहस, शौर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। यह राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास करता है, लेकिन देश की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। “सैन्य संपर्क मेला” जैसे आयोजन सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिजनों से सीधे संवाद करने, उनकी आवश्यकताओं को समझने तथा उन्हें उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्थानीय सांसद डॉ. निशिकांत दुबे, बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट हॉस्पिटल तथा आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सैनिकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से सैनिकों के अनुशासन, साहस, संयम और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने तथा इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के लिए योगदान देने का अवसर प्रत्येक व्यक्ति के पास है और इसके लिए अपने कर्तव्यों का

ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करना आवश्यक है। सैनिकों के प्रति सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमारे व्यवहार और कार्यों में भी दिखाई देना चाहिए। राष्ट्र की रक्षा करने वालों की सेवा करना भी राष्ट्रसेवा का ही एक रूप है।
